

A G G Æ V S.

- 2 b Adhuc semel, & ego mouebo non so-
lum terram, sed celum Heb. 12. g

Z A C H A R I A S.

- 8 c Loquimini veritatem vnusquisque cum
proximo suo Eph. 4. f

- 9 b Ecce rex tuus venit Mat. 21. a. Io. 12. b

- 11 c Et acceperunt triginta argenteos

Matt. 27. a

- 12 c Videbunt in quem compunxerunt

Ioann. 19. g

- 13 c Percutiam pastore Mat. 26. c. Mar. 14. b

M A L A C H I A S.

- 1 a Iacob dilexi, Esau autem odio habui

Rom. 9. c

- 3 a Ecce ego mitto angelum meum Mat. 11. b

Mar. 1. a. Luc. 7. d. Ioan. 1. c

- 4 b Ipse est Elias qui venturus erat Mat. 11. b

- 4 b Quid est quod scribz dicunt, quod Eliam
oporteat primum venire? Matt. 17. b

Mar. 9. b

- 4 b Vt conuertat corda patrum in filios

Luc. 1. b

من يحيى

٧ انى مرة واحدة ايضا وارزل ليس الارض

٢٩ فقط بل والسماة : عبرانيين ١٢

من زكريا

١٩ ليكلم كل واحد منكم قريبه بالحق :

٢٥ افسوس ٢

١ ها هوذا ملكك ياتيك : متى ٢١

١٥ يوحنا ١٢

١٢ واخذوا الثلثين فضة : متى ٢٧

١٢ سيمطرون الى الذى طعنوه : يوحنا ١٧

١٣ انا اضرب الراعى : متى ٢٩ مرقس ١٤

من ملاخيا

١ ابنى احببت يعقوب وابغضت عيسو

١٣ رومية ١

١ هانذا مرسل ملاكى : متى ١١ مرقس ١١

١ لوقا ١٧ يوحنا ١

١ فهو ايليا المزمع ان ياتي : متى ١١

١ فلماذا تقول الكتبة ان ينبغي ان

ياتي ايليا اولاً : متى ١٧ مرقس ١٠

١ ليرجع قلوب الاباء الى الابناء : لوقا ١٠

١٩ ١

١٠ ٢٠ حينئذ يمدون يقولوا للجال قعي
علينا وللأكام عطينا: لوقا ٢٣ ٣٠
١١ ٢١ من مصر دعوت ابني: متى ٢ ١٠
١٢ ١٣ قد ابتلع الموت بالعلبة: اولي
قورنثية ١٥ ٩٤

من يوال

٢١ ٢ ويكون في الايام الاخيرة يقول الرب
اني اسكب من روحي: ابركسيس ٢ ١٧
٢٢ ٢ فانه كل من دعا باسم الرب يخلص
رومية ١١ ١٣

من علموص

٣٠ ٥ العلكم اربعين سنة في البرية قربتم
لي قربانا: ابركسيس ٧ ٤٢
١ ٧ الوبل لكم ايها الاغنيا: لوقا ١٢ ٢٤
١١ ١ من بعد هذا ارجع فاني ايضا خيمة
داود: ابركسيس ١٥ ١٤

من يونان

٢ ٢ كما كان يونان في بطن الحوت ثلثة
ايام وثلثة ليالي: متى ١٢ ٤٠ لوقا ١١ ٢٩
٣ ٣ لانهم تابوا بوعظ يونان: متى ١٢ ٤١
لوقا ١١ ٣٢

من ميخا

٢ ٥ وانت يا بيت لحم ارض يهوذا: متى
٢ ٤
٧ ٧ لانني انا اتيت لافرق الانسان من
ابيه وعدا الانسان اهل بيته: متى
١٥ ١٠ لوقا ١٢ ٥١ ٥٢ ٥٣

من ناحوم

١٥ ٢ ما اعمل اقدام المبشرين بالسلام:
رومية ١٠ ١٥

من حبقوق

١ ٢ انظروا يا متغافلين وتعجبوا واهلكوا
فاني عملا اعمل في ايامكم: ابركسيس
١٢ ١٣
٢ ٢ ان البار انا يحيي بالايما: رومية ١ ١٧
غلاطيا ٣ ١٢ عبرانيين ١٠ ١٧

من

10 b Tunc incipient dicere montibus, Cadite
super nos: & collibus, Operite nos
Luc. 23. d

11 a Ex Aegypto vocavi filium meum Mat. 2. c

13 d Aborta est mors in victoria 1. Cor. 15. g

I O E L.

2 g Et erit in novissimis diebus, dicit Domi-
nus, effundam de Spiritu meo Ag. 2. c

2 g Omnis enim quicumque invocaverit no-
men Domini, saluus erit Rom. 10. c

A M O S.

5 g Numquid victimas & hostias obtulistis
mihi Ag. 7. c

6 a Ve vobis divitibus Luc. 6. d

9 c Post haec reuertar, & reedificabo taber-
naculum Dauid Ag. 15. c

I O N A S.

2 a Sicut fuit Ionas in ventre ceti tribus die-
bus & tribus noctibus Matth. 12. c.
Luc. 11. d

3 b Poenitentiam egerunt in praedicatione
Iona Matth. 12. c, Luc. 11. d

M I C H A E A S.

5 a Et tu Bethlechem terra Iuda Mat. 2. a

7 b Veni separare hominem aduersus patrem
suum & filiam aduersus matrem Mat. 10. d
Luc. 12. g

N A H V M.

1 d Quam speciosi pedes euangelizantium
pacem Rom. 10. c

H A B A C V C.

1 b Videte contemptores, & admiramini, &
disperdimini: quia opus operor ego in
diebus vestris Ag. 13. f

2 a Iustus autem ex fide viuit Rom. 1. c
Gal. 3. b. Heb. 10. g.

AGGÆVS.

I E R E M I A S.

7 b Vos autem fecistis illam speluncam latronum Matth. 21. b. Marc. 1. 11. c. Luc. 19. g

9 g Qui gloriatur, in Domino gloriatur 1. Cor. 1. d. 2. Cor. 10. d

10 a Quis non timebit te Dñe? Apoc. 15. b

17 d Ego sum scrutās renes & corda Apoc. 2. f

31 c Vox in Rama audita est Matth. 2. d

31 a Ero vobis in patrem, & vos eritis mihi in filios 2. Cor. 6. d

31 e Ecce dies venient, dicit Dominus, & consummabo super domum Israel & super domum Iuda testamentum nouum Heb. 8. c

31 f Hoc autem testamentum quod testabor ad illos, &c. Dabo leges meas in cordibus eorum Heb. 10. c

51 a Cecidit cecidit Babylon magna

Apoc. 18. a

E Z E C H I E L.

3 a Accipe librum, & deuora illū Apoc. 10. d

20 b Qui fecerit homo viuet in ea Ro. 10. b

32 b Sol obscurabitur, & luna non dabit lumen suum Matth. 24. c

36 c Nomen Dei per vos blasphematur in Gentes Rom. 2. d

D A N I E L.

9 g Cum videritis abominationem desolationis quæ dicta est a Daniele Prophetæ Matth. 24. b. Mar. 13. b. Luc. 21. d

O S E E.

1 d Et erit in loco vbi dictum est eis, Non plebs mea vos, &c. Rom. 9. e

2 d Vocabo non plebem meam, plebem meam Rom. 9. e. 1. Pet. 2. b

6 c Misericordiam volo, & non sacrificium Matth. 9. b. 12. a

10 b Tunc

من ارميا

١١ وانتم جعلتموه مغارة لصوم متى ٢١
١٢ مرقس ١١ لوقا ١٩

١ من افتخر فبالرب ليفتخر اولي ١
٢ قورنثية ١ ثانية قورنثية ١٠

٢ من لا يخاف منك يا رب ابوكالمسيس ١٠

١٢ انا الفاحص عن الكلى والقلوب ابوكالمسيس ٢

١٠ صوت سبع في الرامة بكاء متى ٢١
١ واكون لكم ابا وانتم تكونون لي بنين ١٢

١٢ ثانية قورنثية ١٠
١٢ ها ستاتي ايام يقول الرب واكمل لميت اسرائيل واليهودا وصية جديدة ١٢

١٢ عمرانين ٨

١٢ ان هذبة الوصية التي اتهمتم من بعد تلك الايام يقول الرب اجعل نواميس في قلوبهم ١٢

١٢ وقعت وقعت بابل تلك الكبرى ابوكالمسيس ١٢

من حزقيال

١ خذ الكتاب وابتلعه ابوكالمسيس ١٠
١٢ الذي يعمل يعيش به رومية ١٠

١٢ تظلم الشمس والقمر لا يعطى ضوء متى ٢٤

١٢ فان اسم الله يفترى عليه من اجلكم بين الامم رومية ٢

من دانيال

١٢ فاذا رايتكم رجسة الخراب الذي قيل في دانيال النبي متى ٢٤ مرقس ١٠

١٢ لوقا ٢١

من هوشع

١ فيكون في الموضع الذي قيل لهم فيه لستم ائتم شعبي رومية ١٢

١٢ انا ادعو الذين لم يكونوا لي شعبا شعبي رومية ١٢ اولي بطرس ٢

١٢ انا اريد رحمة لانيهه متى ١٢
١٢

٥٣ ٥ الذي احتمل خطايانا هو مجسدة على
 الخشبة: اولى بطرس ٢ ٢٤
 ٥٤ ١ افرح يا ايها العاقر: غلاطيا ٤ ٢٧
 ٥٤ ١ انهم يكونون باجمعهم متعلمين من
 الله: يوحنا ٤ ٢٥
 ٥٥ ٢ والعطشان فليجي ومن اراد فلماخذ
 ماء الحياة مجاناً: ابوكالمسيس ٢٢ ١٧
 ٥٥ ٣ اني امحككم اقداس داود الصادقة:
 ابركسيس ١٣ ٣٢
 ٥٦ ٧ ان يبق بيت الصلاة يدعى: متى ٢١ ٢٣
 مرقس ١١ ١٧ لوقا ١٤ ٢٢
 ٥٦ ٧ في سبلهم المشقة والشقوة: رومية
 ١٩ ١٧
 ٥٦ ١٧ اتخذوا بهيمة الخلاص: افسوس ٤ ١٧
 اولى تسالونيقي ٥ ٨
 ٥٦ ٢٠ سميتي من صهيون المخلص فيصرف
 النفاق عن ال يعقوب: رومية ١١ ٢٦
 ٥٦ ٢١ وابوابها لا تغلق نهارة: ابوكالمسيس
 ٢١ ٢٥
 ٥٦ ٢١ والمدينة لا تحتاج للشمس ولا للقمر:
 ابوكالمسيس ٢١ ٢٥
 ٥٦ ٢١ ولا يكون ليل بعد: ابوكالمسيس
 ٢١ ٥
 ٥٦ ٢١ روح الرب على: لوقا ٢ ١٨
 ٥٦ ٢١ قولوا لابنه صهيون ها هوذا ملكك
 ياتي بك: متى ٢١ ٥
 ٥٦ ٢١ انه لم تراع عين ولم تسمع اذن: اولى
 قورنثية ١ ٢
 ٥٦ ٢١ اني وجدت من لم يطلبوني: رومية
 ٢٠ ٢٠
 ٥٦ ٢١ اني بسطت يدي طول اليوم الى شعب
 غير مومن ومخالف: رومية ١٠ ٢١
 ٥٦ ٢١ ونخرج سموات مجددة وارضاً جديدة
 ٢١ ٢١ ابوكالمسيس ٢١ ٢١
 ٥٦ ٢١ ان السما كرسى لي: ابركسيس ٧ ٢١
 ٥٦ ٢١ حيث دودهم لا يموت والبار لا تطفى:
 مرقس ١ ٢٥
 من

53 c Qui peccata nostra pertulit in corpore
 1.Pet.2.d
 54 a Lætare sterilis quæ non parit Gal.4.d
 54 c Et erunt omnes docibiles Dei Ioa.6.c
 55 a Et qui sitit, veniat: & qui vult accipiat
 aquam vitæ gratis Apoc.22.d
 55 b Dabo vobis sancta David fidelia
 A&.13.e
 56 c Domus mea domus orationis vocabitur
 Mat.21.b. Marc.11.c. Luc.19.g
 59 b Contritio & infelicitas in vijs eorum
 Rom.3.c
 59 c Galeam salutis assumite Eph. 6. c.
 1.Theff.5.b.
 59 d Veniet ex Sion qui eripiat & auertat
 impietatem a Iacob Rom. 11.d
 60 c Et portæ eius non clauderunt per diem
 Apoc.21.g
 60 d Et ciuitas non eget sole neque luna
 Apoc.21.g
 60 d Nox ultra non erit Apoc.22.a
 61 a Spiritus Domini super me Luc.4.c
 62 d Dicite filiz Sion, Ecce rex tuus venit
 Matt.21.a
 64 b Quod oculus non vidit, nec auris au-
 diuit, &c. 1.Cor.2.b
 65 a Inuentus sum a non quærentibus me
 Rom.10.d
 65 a Tota die expandi manus meas ad po-
 pulum non credentem Rom.10.d
 65 c N uos vero celos, & nouam terram
 2.Pet.3.c. Apoc.21.a
 66 a Cælum mihi fedes est A&.7.f
 66 g Vbi vermis eorum non moritur Mar.9.g
 b 2 IERE-

- 40 d Quis enim cognouit sensum Domini, aut
consiliarius eius fuit? Rom. 11. d
- 41 b 44 a Ego, sum primus & nouissimus
Apoc. 1. d. & 22. c
- 42 a Ecce puer meus quem elegi Mat. 12. b
- 43 d Ecce noua facio omnia Apoc. 21. b.
2. Cor. 5. d
- 45 d Numquid dicit figmentum ei qui fecit, &c.
Rom. 9. d
45. d Vivo ego, dicit Dominus, quoniam
mihi fecitetur omne genu Rom. 14. b
- 46 b Posui te in lucem Gentium Act. 13. g
- 49 c Tempore accepto exaudiui te, &c.
2. Cor. 6. a
- 49 c Non esurient neque sitient amplius
Apoc. 7. d
- 50 b Tunc expuerunt in facie eius Mat. 26. g
- 52 b Quam speciosi pedes euangelizantium
pacem Rom. 10. c
- 52 d Propter quod exite de medio eorum, &
separamini, &c. 2. Cor. 6. d
- 52 d Nomen Dei per vos blasphematur
Rom. 2. d
- 52 d Quibus non est annunciatum de eo, vi-
debunt Rom. 15. c
- 53 a Domine, quis credidit audiuimus nostro?
Rom. 10. c. Ioan. 12. f
- 53 b Ipse infirmitates nostras accepit
Matt. 8. c
- 53 c Tamquam ouis ad occisionem Act. 8. f
- 53 d Et cum iniquis reputatus est Mar. 15. c
- Luc. 22. d
- 53 e Qui peccatum non fecit, nec inuentus
est dolus 1. Pet. 2. d. 1. Ioan. 3. a
- 53 e Qui

من الذي علم ضمير الرب: اولى
قورنثية ١٤ ٢
ابوكالمسيس
١٣ ٢٢ ١٤ ٨ ١
ها هوذا فتاى الذي اخترته متى
١٨ ١٢
هوذا انا اجعل كل شى جديد
ابوكالمسيس ٢٢
ثانية قورنثية ١٢
هل الجملة تقول ليايلها: رومية
١٢
انى حى يقول الرب انه لى تجتوكل
ركبة: رومية ١٢
انى قد وضعتك نور للدمع: ابركسيس
٢٧ ١٣
انى استجيت لك فى الزمان المقل
ثانية قورنثية ١٢
لا يجوعون ولا يعطشون بعد: ابوكالمسيس
١٤ ٧
حينئذ بصقوا فى وجهه: متى ٢٦ ٢٩
ما اجسمل اقسام المشردين بالسلام:
رومية ١٠
فاخرجوا من بينهم واعتزلوا منهم
ثانية قورنثية ١٤
اسم الله يفترى عليه من اجلكم:
رومية ٢٢
ان الذين لم يجبروا عنه يرون:
رومية ١٥
يا رب من الذي يصدق بهاعنا:
رومية ١٥
هو اخذ ضعفاتنا: متى ١٤ ٨
مثل نهج سيق الى الذبح: ابركسيس
٢٢ ٨
انه مع المفاقي حسب: مرقس
١٥ ٢٢
الذى لم يعمل خطية ولم يوجد في
فه غدر: اولى بطرس ٢ ٢٢
٥ ١٥

١٠ ١١ رومية ١٢ ١٢
 ١٢ ١٣ ها هوذا العذرى تحمل : ١ ١٢
 ١٢ ١٤ هان هذا والبتون الذين اعطانيهم الله :
 ١٢ ١٥ عبرانيين ١٢ ١٥
 ١٢ ١٦ ارض زبلون وارض نفتالى : متى
 ١٢ ١٧
 ١٢ ١٨ لو كان عدد بني اسرائيل كرم
 ١٢ ١٩ البحر : رومية ١٢ ١٩
 ١٢ ٢٠ يظهر ذلك الاثيم الذى يبيده ربنا
 ١٢ ٢١ يسوع بروح فيه : ثانمة تسالونيقى ١ ٢
 ١٢ ٢٢ يكون اصل ايسى : رومية ١٢ ٢٢
 ١٢ ٢٣ ابركسيس ١٢ ٢٣
 ١٢ ٢٤ وقعت وقعت بابل الكبرى : ابوكالمسيس
 ١٢ ٢٥
 ١٢ ٢٦ فلما كل الان ونشرب لاننا عندا
 ١٢ ٢٧ موت : اولى قورنثية ١٢ ٢٧
 ١٢ ٢٨ هكذا يقول القدوس البار الصادق
 ١٢ ٢٩ الذى معه مفتاح داود : ابوكالمسيس
 ١٢ ٣٠
 ١٢ ٣١ المسيح الرب كل دعة من عيونهم :
 ١٢ ٣٢ ابوكالمسيس ١٢ ٣٢
 ١٢ ٣٣ انى بالسنة غريبة وشفاه اخرى
 ١٢ ٣٤ انطق هذا الشعب : اولى قورنثية ١٢ ٣٤
 ١٢ ٣٥ هاندا واضع فى صهيون حجر عثرة
 ١٢ ٣٦ وصخرة شك : رومية ١٢ ٣٦
 ١٢ ٣٧ ابركسيس ١٢ ٣٧
 ١٢ ٣٨ ان هذا الشعب يكرمنى بشفتيه :
 ١٢ ٣٩ متى ١٢ ٣٩
 ١٢ ٤٠ انى انشد حكمة الحكاء وازل فهم
 ١٢ ٤١ الفهماء : اولى قورنثية ١٢ ٤١
 ١٢ ٤٢ فاين الحكيم واين الكاتب واين
 ١٢ ٤٣ فاحص هذا الدهر : اولى قورنثية ١٢ ٤٣
 ١٢ ٤٤ صوت صارخ فى البرية : متى ١٢ ٤٤
 ١٢ ٤٥ لوقا ١٢ ٤٥
 ١٢ ٤٦ كل بشر كالعشب : اولى بطرس ١٢ ٤٦
 ١٢ ٤٧ يعقوب ١٢ ٤٧

Ioann. 12. f. Roman. 11. b
 7 c Ecce virgo in vtero habebit Mat. 1. d
 8 d Ecce ego & pueri mei quos dedit mihi
 Deus Heb. 2. d
 9 a Terra Zabulon & Terra Nephthali
 Mat. 4. c
 10 e Si fuerit numerus filiorum Israel tam-
 quam arena maris Rom. 9. f
 11 a Reuelabitur ille iniquus quem Dominus
 interficiet spiritu oris sui 2. Thes. 2. c
 11 c Erit radix Iesse Rom. 15. c. Act. 13. d
 21 c Cecidit cecidit Babylon illa magna
 Apoc. 14. b
 22 c Manducemus & bibamus, cras enim
 moriemur 1. Cor. 15. e
 22 f Hæc dicit sanctus & verus, qui habet cla-
 uem David Apoc. 3. b
 25 c Absterget Dominus oamem lacrymam
 ab oculis, &c. Apoc. 7. d. 21. b
 28 c Quoniam in alijs linguis & labijs alijs
 loquar populo huic 1. Cor. 14. d
 28 d Ecce pono in Sion lapidem offensionis
 Rom. 9. g. 1. Pet. 2. b. Act. 4. b
 29 d Populus hic labijs me honorat Mat. 15.
 a. Marc. 7. b
 29 e Perdam sapientiam sapientum, & pru-
 dentiam, &c. 1. Cor. 1. c
 33 c Vbi sapiens? vbi scriba? vbi inquisitor
 huius sæculi? 1. Cor. 1. c
 40 a Vox clamantis in deserto Mat. 3. a
 Mar. 1. a. Luc. 3. a. Ioan. 1. c
 40 b Omnis caro fenum 1. Pet. 1. d. Iac. 1. d
 40 d Quis enim cognouit sensum Domini,
 aut quis instruxit eum? 1. Cor. 2. d
 b 40 d Quis

- 116 a Laudate Dominum omnes gentes
Rom. 15. c
- 117 a Dominus mihi adiutor : non timebo
quid faciat mihi homo Heb. 13. b
- 117 d Lapidem quem reprobauerunt ædifi-
cantes Mat. 21. d. Mar. 12. a. Act. 4. b.
1. Pet. 2. b
- 117 d Hofanna filio Dauid Mat. 21. b
- 131 c De fructu ventris tui ponam super se-
dem tuam Act. 2. c
- 139 a Venenum aspidum sub labijs eorum
Rom. 3. b

P R O V E R B I A.

- 3 a Nolite esse prudentes apud vosmetip-
sos Rom. 12. d
- 3 b Fili mi, noli negligere disciplinam Do-
mini, &c. Heb. 12. b
- 3 b Quem diligit Dominus corripit, &c.
Heb. 12. b. Apoc. 3. d
- 10 b Charitas operit multitudinem pecca-
torum 1. Pet. 4. b
- 17 c Videte, ne quis malum pro malo alicui
reddat 1. Thess. 5. d. 1. Pet. 3. b
- 20 c Qui maledixerit patri vel matri Matt.
15. a. Marc. 7. b
- 25 c Si exurierit inimicus tuus, ciba illum
Rom. 12. d
- 26 b Canis reuersus ad vomitum 2. Pet. 2. d

I S A I A S.

- 1 c Nisi Dominus fabaoth reliquisset no-
bis semen Rom. 9. f.
- 5 d Homo plantauit vineam Matt. 21. b
Luc. 20. b. Marc. 12. a
- 6 a Sanctus, sanctus, sanctus Dominus Deus
fabaoth Apoc. 4. c
- 6 c Auditu audieris, & non intelligetis
Matt. 13. b. Marc. 4. b. Luc. 8. b. Act. 28. f.
Ioan.

114 سجدوا الرب ايها الامم اجمعون :
رومية 11 10

114 الرب عوني لا اخاف ماذا يصنع بي
الانسان : عبرانيين 4

114 الحجر الذي رذله البناءون : متى ٢١ ٢٢
مرقس ١٢ ١٠ ابركسيس ١١ اولى بطرس

٧ ٩
114 اوصنا لابن داود : متى ٢١ ٩

114 من ثمرة بطنك اجعل على كرسيك
ابركسيس ٢٠ ٢

114 وسم الافاعي تحت شفاهم : رومية ٣
١٣

من الامثال

٣ لا تكونوا حكام عند انفسكم : رومية
١٩ ٢٢

٣ يا ابني لا تغفل عن ادب الرب
عبرانيين ١٢ ٥

٣ من يحبه الرب يودبه : عبرانيين ١٢
٩ ابوكالمسيس ٣

10 ان المودة تغطي كثرة الخطايا : اولى
بطرس ٨ ٢

17 اغفطوا ان يجازى احد منكم سيئة
بسيئة : اولى تسالونيقي ١٥ ٥ اولى بطرس

٢٠ الذى لعن اياه وامه : متى ١٥ ٤ مرقس
١٠ ٧

٢٥ اذا جاع عدوك فاطعمه : رومية ١٢ ٢٠
٢٩ كالكلب الذى عاد الى قيئه : ثاثير

٢٢ بطرس ٢٢ ٢

من اشعيا

1 لولم يبق زرعنا الرب : رومية ١١ ١٤
٥ انسان عرس كرم : متى ٢١ ٣٣ لوقا

٢٠ مرقس ١٢ ١
٩ قدوس قدوس الرب الاله الاله
الجهوش : ابوكالمسيس ٤

٩ سمعا تسمعون ولا تفهمون : متى ١٣ ١٣
٩ مرقس ٤ ١٢ لوقا ١٠ ٨ ابركسيس ٢٨ ٢٩

يوحنا

١٠ تعبير معيريك وقع على : رومية ١٥ ١٠	١٠٨	68 b Improperia impropertium tibi ceciderunt super me Rom. 15. b
١١ فلتنك مايدتهم : رومية ١١ ١١	١٠٨	68 c Fiat mensa eorum coram ipsis in laqueum Rom. 11. b
١٢ نصير ديارهم خرابا : ابركسيس ١٠ ١٢	١٠٨	68 c Fiat commoratio eorum deserta A&I. d
١٣ وفي عطشى سقوني خلا : متى ٣١ ١٣	١٠٨	68 e In siti mea potauerunt me aceto Io. 19. f
١٤ يوحنا ١٤ ١٤	١٠٨	77 a Aperiam in parabolis os meum Mat. 13. e
١٥ انى افتح في بالامثال : متى ١٣ ١٥	١٠٨	77 c Panem caeli dedit eis Ioan. 6. d
١٦ انه اعطاهم خبزا من السماء لياكلوا يوحنا ١٤ ١٦	١٠٨	81 b Ego dixi, dij estis Ioan. 10. c
١٧ انى قلت انكم الهة : يوحنا ١٠ ١٧	١٠٨	88 d Inueni David seruum meum A&I. 13. d
١٨ انى وجدت داود عبدى : ابركسيس ١٣ ١٨	١٠٨	90 c Angelis suis mandauit de te Mar. 4. a
١٩ انه اوصى ملايكته من اجلك ويحملونك متى ٢٤ ١٩	١٠٨	Luc. 4. b
٢٠ ان الرب يعرف افكار الحكماء انها باطلة اولى قورنثية ١٣ ٢٠	١٠٨	93 c Dominus nouit cogitationes sapientum, quoniam vanae sunt 1. Cor. 3. d
٢١ اليوم ان انتم سمعتم صوته : عبرانيين ٣ ٢١	١٠٨	94 c Hodie si vocem eius audieritis Heb. 3. b
٢٢ كما اقسمت بغضبي : عبرانيين ٤ ٢٢	١٠٨	94 c Sicut inraui in ira mea Heb. 4. b
٢٣ فليسجد له جميع ملايكه الله : عبرانيين ١٤ ٢٣	١٠٨	96 b Et adorent eum omnes angeli eius Heb. 1. c
٢٤ انت يا رب منذ البدى وضعت اساس الارض : عبرانيين ١ ٢٤	١٠٨	101 d Tu in principio Domine terram fundasti Heb. 1. e
٢٥ صنع ملايكته ارواحا : عبرانيين ١ ٢٥	١٠٨	103 a Qui facit angelos suos spiritus Heb. 1. c
٢٦ ياخذ خدمته اخر : ابركسيس ١ ٢٦	١٠٨	108 b Episcopatum eius accipiat alter A&I. 1. d
٢٧ قال الرب لربي : متى ٢٢ ٢٧	١٠٨	109 a Dixit Dominus domino meo Mat. 22. d
٢٨ ابركسيس ٢ ٢٨	١٠٨	Luc. 20. g. A&I. 2. f
٢٩ اجلس عن يمينى : عبرانيين ١ ٢٩	١٠٨	109 a Sede a dextris meis Heb. 1. d
٣٠ حتى اضع اعداك موطنى : عبرانيين ١ ٣٠	١٠٨	109 a Donec ponam inimicos tuos scabellum &c. Heb. 1. d. 1. Cor. 15. d
٣١ اولى قورنثية ١٥ ٣١	١٠٨	109 b Tu es sacerdos in aeternum Hebr. 5. b. 7. c
٣٢ انت كاهن الى الابد : عبرانيين ٥ ٣٢	١٠٨	109 b Iurauit Dominus & non poenitebit eum Heb. 7. c
٣٣ ان الرب اقسم ولم يندم : عبرانيين ١ ٣٣	١٠٨	111 b Dispersit, dedit pauperibus 2. Cor. 9. c
٣٤ انه فرق واعطى المساكين : ثاوية قورنثية ١ ٣٤	١٠٨	115 a Credidi, propter quod locutus sum 2. Cor. 4. c
٣٥ امنت فلماذا نطق : ثاوية قورنثية ١ ٣٥	١٠٨	115 a Omnis homo mendax Rom. 3. a
٣٦ كل الناس كذابون : رومية ٣ ٣٦	١٠٨	116 a Lau-

- 15 c Prouidebam Dominum in conspectu, &c.
Act. 2.d
- 15 d Non dabis sanctum tuum videre corruptionem
Act. 2.e. 13.c
- 17 a Ego ero fidens in eum
Heb. 2.c
- 17 g Propterea confitebor tibi in Gentibus
Domine
Rom. 15.b
- 18 a Et quidem in omnem terram exiuit sonus eorum
Rom. 10.d
- 21 a Eli, Eli, lamma sabactani
Mat. 27.c
Marc. 15.c
- 21 c Diuiderunt sibi vestimenta mea
Magt.
27.d. Ioan. 19.e
- 21 c Nunciabo nomen tuum fratribus meis
Heb. 2.c
- 23 a Domini est terra & plenitudo eius
1 Cor. 10.f
- 24 c Odio habuerunt me gratis
Ioan. 15.d
- 30 a In manus tuas commendo spiritum meum
Luc. 23.f
- 31 a Beati quorum remissa sunt iniquitates
Rom. 4.a
- 33 c Qui enim vult vitam diligere, & dies videre bonos
1. Pet. 3.b
- 39 b Hostiam & oblationem noluit
Heb. 10.b
- 40 c Qui manducat mecum panem
Io. 13.b
- 43 d Propter te mortificamur tota die
Rom. 8.g
- 44 b Thronus tuus Deus in saeculum saeculi
Heb. 1.c
- 50 a Ut iustificeris in sermonibus tuis
Rom. 3.a
- 54 d Iacta super Dominum curam tuam
1. Pet. 5.b
- 61 d Vnusquisque autem propriam mercedem accipiet
1. Cor. 3.b
- 67 d Ascendens in altum, captiuam duxit captiuitatem
Eph. 4.b
- 68 b Zelus domus tuae comedit me
Io. 2.d
68 b Im-

- 1 وكنتم انظر الرب امامي ابي: ابركسيس
10
- 1 لا تدع صفيتك ان يرى الفساد:
10
ابركسيس
- 3 اني اكون عليه متوكلا: عبرانيين
17
0. لذلك اعترى لك في الامم: رومية
17
0. فاما قد شاع صوتهم الى جميع الارض
18
رومية
- 1 ايلي ايلي لماذا شبقنتي: متى
18
مرقس 10
- 1 اقتسموا بينهم ثيابي وعلى لباسي
17
اقترعوا: متى
17
1 اني ابشر باسمك اخوتي: عبرانيين
17
1 للرب الارض وملوها: اولي قورنثية
17
1 انهم ابغضوني مجانا: يوحنا
17
1 يا ابتساء في يدك اسلم روحي: لوقا
17
1 طوبى للذين غفر لهم اثمهم: رومية
17
1 انه من يريد ان يحب الحياة ويرى
17
اياما سالحة: اولي بطرس
17
1 ذبيحة وقربانا لم تشا: عبرانيين
17
1 ان الذي ياكل معي الخبز: يوحنا
17
1 من اجلك مات كل يوم: رومية
17
1 كرهيك يا الله الى ابد الابد: عبرانيين
17
1 لتعبر في كلامك: رومية
17
1 الق على الرب هك: اولي بطرس
17
1 كل انسان ياخذ أجرته على قدر نصبه
17
اولي قورنثية
17
1 صعد الى العلو وسي سبيسا: افهوس
17
1 غيرة بيتك اكلتني: يوحنا
17
1

من يشوع
1 لا اخذك ولا اتركك: عبرانيين 13

من ثاني الملوك
1 انا اكون له ابا ويكون هو لي ابنا:
عبرانيين 1

من ثالث الملوك
1 يا رب قد قتلوا انبياك: رومية 11
1 اتي قد استعقيت لنفسي سبعة الاف
رجل: رومية 11

من ايوب
1 اتي واخذ الحكما بمكرهم: اولى قورنثية 13

من المزموير
1 لماذا ارجحت الامم: ابركسيس 4
1 انت ابني واذا اليوم ولدتك: ابركسيس
1 عبرانيين 1
1 ترعهم بقضيب حديد: ابوكاليميس
10 11 12

1 اغضبوا ولا تاتوا: افسوس 4
1 حناجرهم قبور مفتوحة: رومية 10
1 اذها عني يا فاعلي الاثم: متى 23
1 لوقا 10
1 من افواه الاطفال والرضعان اكملت
سبحا متى 21

1 من هو الانسان الذي ذكرته عبرانيين
1 لانه قد اخضع تحت قدميه كل شئ
1 اولى قورنثية 10
1 ام: 1 وافواههم مملوءة لعنة ومرارة:
رومية 10

1 ليس بارولا واحد ولا متفهم: رومية
11 1
1 وارجلهم الى سفك الدماء سريعة
رومية 10

I. O. S. V. E.

1 a Non te deferam, neque derelinquam.
Heb. 13. a

R. E. G. V. M. I. I.

7 c Ego ero illi in patrem, & ipse erit mi-
hi in filium Heb. 1. b

R. E. G. V. M. I. I.

19 b Domine prophetas tuos occiderunt, &c.
Rom. 11. a

19 b Reliqui mihi septem millia virorum.
Rom. 11. a

I. O. B.

5 c Comprehendam sapientes in astutia
eorum 1. Cor. 3. d

LIBER PSALMORVM.

2 a Quare fremuerunt gentes A&. 4. c

2 b Filius meus es tu, ego hodie genui te.
A&. 13. c. Heb. 1. b. 5. b

2 c Reges eos in virga ferrea Apoc. 2. g.
19. c

4 b Irascimini, & nolite peccare Eph. 4. b

5 c Sepulchrum pateas est guttur eorum.
Rom. 3. b

6 c Discedite a me, omnes qui operamini
iniquitatem Matt. 7. d. 25. d. Luc. 13. f

8 b Ex ore infantium & lactentium, &c.
Mat. 21. b

8 c Quid est homo quod memor es eius?
Heb. 2. a

8 c Omnia subiecit sub pedibus eius
1. Cor. 15. d

9 c Quorum os maledictione & amaritudine
plenum est Rom. 3. c

13 a Non est iustus quispiam, non est intel-
ligens Rom. 3. b

13 b Veloces pedes eorum ad effundendum
sanguinem Rom. 3. c

15 c Proui-

- 5 b Non furtum facies Luc. 18. d. Ro. 13. c
5 c Non furtum facies Luc. 18. d. Ro. 13. c
5 c Non loqueris contra proximum tuum -
falsum testimonium Luc. 18. d. Ro. 13. c
5 b Honora patrem & matrem Mat. 15. a
Mar. 7. b. Ephes. 6. a
6 a Audi Israël, Dominus Deus tuus Deus
vnus est Marc. 12. c
6 a Diliges Dominum Deum tuum ex toto
corde, &c. Matt. 22. d. Marc. 12. c
Luc. 10. c
6 c 10 d Dominum Deum tuum adorabis,
& illi soli seruias Mar. 4. b. Luc. 4. b
8 c Non tentabis Dominum Deum tuum
Mar. 4. b. Luc. 4. b
8 a Non in solo pane viuit homo Mat. 4. a
Luc. 4. a
10 d Deus personam hominis non accipit
Gal. 2. b
18 c Prophetam suscitabit vobis Dominus
Deus Act. 3. d. 7. c
19 d In ore duorum vel trium testium stabit
omne verbum Mat. 18. b. Ioan. 8. e.
2. Cor. 13. 2.
19 d Oculum pro oculo, dentem pro dente
Matt. 5. f
21 d Maledictus omnis qui pendet in ligno
Gal. 3. b
25 b Non alligabis os boui trituranti
1. Cor. 9. a. 1. Tim. 5. c
25 b Si quis mortuus fuerit non habens fi-
lium Mat. 22. c. Marc. 12. Luc. 20. c
27 d Maledictus homo qui non permanferit
in omnibus, &c. Gal. 3. b
30 c Quis ascendet in celum? Rom. 10. b
30 c Prope est verbum in ore tuo, & in cor-
de tuo Rom. 10. b
32 c Ego ad æmulationem vos adducam in-
non gentem, &c. Rom. 10. d
32 c Mihi vindictam, ego retribuam Ro. 12. d

IOSVE

- 1 لا تسرق : لوقا ١٨ : ٢٠ رومية ١٣ : ٩
٥
٢ لا تشهد بالزور لوقا ١٨ : ٢٨ رومية ١٣ : ٩
٥
٣ اكرم اباك وامك متى ١٥ : ٢٠ مرقس
٥
٤ افسوس ١٠ : ٢٧
٥ اسمع يا اسرائيل الرب الهك اله
٥
٦ واحد : مرقس ١٢ : ٢٩
٥
٧ يحب الرب الهك من كل قلبك : متى
٥
٨ مرقس ١٢ : ٣٠ لوقا ١٠ : ٢٧
٥
٩ للرب الهك تسجد وله وحده تعبد
٥
١٠ متى ١٠ : ٢٨ لوقا ١٠ : ٢٨
٥
١١ لا تجرب الرب الهك متى ٢٣ : ٢٣ لوقا ٢٣ : ٢٣
٥
١٢ ليس بالحزم وحده يحيا الانسان متى
٥
١٣ لوقا ١٠ : ٢٨
٥
١٤ الله لا يجابي الناس : غلاطيا ٣ : ٢
٥
١٥ ان الرب الهكم يقيم لكم نبيا
٥
١٦ ابركسيس ١٣ : ٢٢ ٧ : ٢٧
٥
١٧ لتقوم كل كلمة من فم شاهدين او
٥
١٨ ثلثة شهود : متى ١٨ : ١٨ يوحنا ٨ : ١٧
٥
١٩ ثمانية قورنثية ١ : ١٢
٥
٢٠ العبي بالعين والسن بالسن متى ٥ : ٣٨
٥
٢١ ملعون كل من علق على خشبة
٥
٢٢ غلاطيا ٣ : ١٢
٥
٢٣ لا تكلم فم الثور الذي يدرس : اولي
٥
٢٤ قورنثية ١ : ١ اولي طيماتاوس ١٨ : ٥
٥
٢٥ ان مات انسان وليس له ولد متى ٢٣ : ٣٢
٥
٢٦ مرقس ١٢ : ١٢ لوقا ١٠ : ٢٨
٥
٢٧ ملعونا كل من لا يثبت بجميع ما
٥
٢٨ كتب في كتاب الناموس غلاطيا ٣ : ١٠
٥
٢٩ من يصعد الى السماء : رومية ١٠ : ٤
٥
٣٠ ان الكلمة قريبة من فيك رومية
٥
٣١
٥
٣٢ اني اجعل لكم غيرة بنى ليس شعبا
٥
٣٣ رومية ١٠ : ١٤
٥
٣٤ فلي الانتقام فانا اجازى : رومية
٥
٣٥
٥
٣٦
٥
٣٧
٥
٣٨
٥
٣٩
٥
٤٠
٥
٤١
٥
٤٢
٥
٤٣
٥
٤٤
٥
٤٥
٥
٤٦
٥
٤٧
٥
٤٨
٥
٤٩
٥
٥٠
٥
٥١
٥
٥٢
٥
٥٣
٥
٥٤
٥
٥٥
٥
٥٦
٥
٥٧
٥
٥٨
٥
٥٩
٥
٦٠
٥
٦١
٥
٦٢
٥
٦٣
٥
٦٤
٥
٦٥
٥
٦٦
٥
٦٧
٥
٦٨
٥
٦٩
٥
٧٠
٥
٧١
٥
٧٢
٥
٧٣
٥
٧٤
٥
٧٥
٥
٧٦
٥
٧٧
٥
٧٨
٥
٧٩
٥
٨٠
٥
٨١
٥
٨٢
٥
٨٣
٥
٨٤
٥
٨٥
٥
٨٦
٥
٨٧
٥
٨٨
٥
٨٩
٥
٩٠
٥
٩١
٥
٩٢
٥
٩٣
٥
٩٤
٥
٩٥
٥
٩٦
٥
٩٧
٥
٩٨
٥
٩٩
٥
١٠٠
٥

من

١٧ ٢١ الذي لعن اباة ام امه موتا بموت
متى ٢٥ ٢٠ مرقس ١٠ ٧
٢٢ ٢٢ العين بالعين والسن بالسن : متى ٥ ٨
٢٣ ٢٢ لا تلعن رئيس شعبك : ابركسيس ٥ ٢٣
٢٤ ٢٢ هذا دم الوصية التي امركم الله بها :
عبرانيين ١ ٢٠
٢٥ ٢٩ انظروا عمل جميع الاشياء على الشبه
الذي اظهرلك في الجبل : ابركسيس
عبرانيين ٥ ٧
٢٦ ٢٢ اصنع لنا الهة ليسبقونا : ابركسيس
٢٧ ٢٠
٢٨ ٢١ اني ارحم على من ارحم : رومية ١ ١٥
٢٩ ٢٢ ولا كوسى الذي صان يلقى البرقع
على وجهه : ثاوية فونثية ٣٠ ١٢
٣٠ ٢٢ من الاحبار
٣١ ٢٢ كونوا قديسين لاني قدوس : اولي
بطرس ١ ١٤
٣٢ ٢٨ الذي يعالسه يعيش به : رومية ١ ٥
غلاطيا ٣ ١٢
٣٣ ٢١ لا تحنت في يمينك : متى ٥ ٣٧
٣٤ ٢٨ احب قريبك : رومية ١٣ ١
غلاطيا ٥ ٢٢
٣٥ ٢٠ يعقوب ٢ ٨ متى ٥ ٢٢ ٢٣ ٢٤ مرقس
٣٦ ٢١
٣٧ ٢٠ الذي لعن اباة ام امه : متى ٢٥ ٢٠
٣٨ ٢٢ العين بالعين : متى ٥ ٢٨
٣٩ ٢٢ اني احل فيهم واسير بينهم : ثاوية
فونثية ١٤ ٤
٤٠ ٢٢ من العدد
٤١ ٢٢ لا تكسروا منه عظما : يوحنا ١٤ ٢٣
٤٢ ٢٢ من تغية الاشتراع
٤٣ ٢٢ لان الالهنا نارا اكلة : عبرانيين ١٢ ٢٢
٤٤ ٢٠ لا تركبن الشهوة : رومية ٧ ٧ ٢٢ ٢٣
٤٥ ٢٠ لا تقتل : متى ٥ ٢١ لوقا ١٨ ٢٠
٤٦ ٢٠ لا تزن : متى ٥ ٢١ لوقا ١٨ ٢٠
٤٧ ٢٠

21 c Qui maledixerit patri suo, vel matri,
mortē moriatur. Mat. 15.a. Mar. 7.b
21 c Oculum pro oculo, dentem pro dente
Mat. 5.f
22 d Principi populi tui non maledices
Act. 23.a
24 c Hic sanguis testamenti, quem manda uit
ad vos Deus Heb. 9.c
25 g Vide, omnia facito secundum exemplar
quod tibi ostensum est, &c. Heb. 8.b
Act. 7.b
32 a Fac nobis deos qui preeant nos
Act. 7.c
33 d Miserebor cui voluero, &c. Rom. 9.g
34 d Non sicut Moyses ponebat velamen su-
per faciem 2. Cor. 2.c

LEVITICVS.

12 g Sancti eritis, quoniam ego sanctus sum
1. Per. 1. c
18 a Qui fecerit homo, viuet in ea Ro. 10.b
Gal. 3. b
19 c Non periurabis Mat. 5.e
19 d Diliges proximum tuum sicut te ipsum
Rom. 13.d Gal. 5.d. Iac. 2. b. Matt. 22. d.
Marc. 12. c
20 b Qui maledixerit patri, & matri, &c.
Matt. 15.a
24 d Oculum pro oculo Mat. 5.f
26 b Quoniam inhabitabo in illis, & inam-
bulabo, &c. 2. Cor. 6.d

N V M E R I.

9 b Os non comminuetis ex co Ioan. 19.f

DEUTERONOMII.

4 d Etenim Deus noster ignis consumens
Heb. 12.g
5 b Non concupisces Rom. 7.c. 13.c
5 b Non occides Matt. 5.c. Luc. 18.d
5 b Non moechaberis Mat. 5.c. Luc. 18.d
5 b Non

- 12 a Exi de terra tua & de cognatione tua. Añ. 7. a
- 12 a Et in femine tuo benedicentur omnes gentes Añ. 3. d. Eph. 5. g
- 15 b Sic erit semen tuum Rom. 4. c
- 15 b Credidit Abraham Deo, & reputatum est illi ad iustitiam Rom. 4. a. Iac. 2. d Gal. 3. a
- 15 c Erit semen tuum peregrinum in terra non sua Añ. 7. a
- 17 a Quia patrem multarum gentium constitui te Rom. 4. c
- 18 b Secundum hoc tempus veniam, & erit Sarz filius Rom. 9. b
- 21 b Eijce ancillam & filium eius Gal. 4. d
- 21 b In Isaae vocabitur tibi semen Ro 9 b
- 22 c Nifi benedicens benedicam te, & mul. Heb. 6. c
- 22 d Quia benedicentur in te omnes gentes Gal. 3. b. Añ. 3. d
- 25 c Quia maior seruiet minori Rom. 9. c

E X O D V S.

- 3 b Ego sum Dens Abraham, Isaac, &c. Mat. 22. c. Mar. 12. c. Luc. 20 f
- 9 d In hoc ipsum excitauit te, ut ostendam in te potentiam meam Rom. 9. d
- 12 g Os non comminuetis ex eo Ioan. 19. f
- 13 a Omne masculinum adaperiens vuluam Luc. 2. d
- 16 d Qui multum, non abundauit, &c. 2. Cor. 8. c
- 20 c Non mœcaberis Matt. 5. d
- 20 c Non adulterabis, Non occides, Non furum facies, Non loqueris contra proximum tuum falsum testimonium, Non concupisces Rom. 13. c
- 20 c Non concupisces Rom. 7. b
- 20 c Non occides Mat. 5. c. Luc. 18. d
- 20 c Honora patrem tuum & matrem tuam Matt. 15. a. Mar. 7. b. Eph. 6. a
- 21 c Qui

- 1 اخرج من ارضك ومن قبيلتك ابركسيس ١٧
- 2 بنسلك يبارك جميع قبائل الارض ابركسيس ١٧
- 3 كذلك يكون نسلك فامن ابراهيم ١٥
- 4 لله وحسب له برا: رومية ٤ ٣ يعقوب غلاطيا ٣ ٤
- 5 سيكون زرعك غريبا في ارض غريبة ابركسيس ٤ ٥
- 6 اني جعلتك اب الامم كثيرين: رومية ٤ ١٧
- 7 اني اتى في مثل هذا الزمان ويكون لسارة ابن: رومية ١ ١
- 8 اخرج الامة وابنها: غلاطية ٣ ٣
- 9 باحق يدعي لك النسل: رومية ١ ١٢
- 10 لولا اني باركتك مباركا واكثرتك مكثرا: عبرانيين ٦ ٤
- 11 ان بك تكون جميع الشعوب مباركين غلاطيا ٣ ٥ ابركسيس ٣ ٥
- 12 ان الكبير يكون عبدا للصغير: رومية ١ ١٣
- 13 من الخروج

- ١ انا هو الاله ابراهيم: متى ٢٢ ٣٢ مرقس ١٢ ٣٢ لوقا ٢٠ ٣٢
- ٢ اني لهذا اقمك كي ابدى بك قوتي: رومية ٩ ٤
- ٣ لا تكسروا منه عظما: يوحنا ١٩ ٣٤
- ٤ ان كل ذكر فاتح رحم فهو يدعي قدوسا: لوقا ٢٠ ٣٢
- ٥ ان الذي له كثير لم يفضل له: ثاوية ١٠ ٨
- ٦ لا تزن: متى ٥ ٢٧
- ٧ لا تزن لا تقتل لا تسرق لا تشهد بالزور لا تشتهي: رومية ١٣ ٩
- ٨ لا تتركب الشهوة: رومية ٧ ٧
- ٩ لا تقتل: متى ٥ ٢١ لوقا ١٨ ٢٠
- ١٠ اكرم اباك وامامك: متى ١٥ ٤ مرقس ١٥ ٤
- ١١ افسوس ١ ٧

فهرست الشهادت

التي اخذها المسيح والرسل من العهد العتيق في العهد الجديد

التي جمعناها معا هاهنا ليفهم القاري المتقى معانيها الصادقة التي بها فسرهما
المسيح المفسر الحقيقي وروحه بفهم الرسل ويرى كيف استعملوها
الرسل والانجيليون

العدد الاول هو عدد الاحصاج والثاني هو عدد في ذلك الاحصاج والصليب
هو دليل على احصاج اخر

INDEX TESTIMONIORVM A CHRISTO ET APOSTOLIS IN NOVO TESTAMENTO CITATORVM

E X V E T E R I.

*Qua huc in id congesta sunt, ut pii Lectores nativam quorundam intelligentiam, qua ab ipso
Christo vero interprete, & spiritu eius per Apostolos sit tradita, assequantur, perspi-
ciantq; in quem usum ea Apostoli & Evangelistae adduxerint.*

من التكوين

- العدد ١ ذكر اواني خلقهما متى ١: ٢٦
مرقس ١٠: ٦
٢ استراح الله في اليوم السابع من كل
عمله: عبرانيين ٤: ٩
٣ صار الانسان الاول ادم ذا نفس حية:
اولى قورنثية ١٥: ٤٥
٤ يترك الانسان ابيه وامه ويلصق بامرأته
متى ١٩: ٥ مرقس ١٠: ٧ افسوس ٣: ١٥
قورنثية ١١: ١١
٥ يكونا الاثنين جسدا واحدا متى ١٩: ٥
مرقس ١٠: ٧ افسوس ٣: ١٥ اولى قورنثية ١٥: ٤٥

GENESIS.

- 1 d Masculum & feminam fecit eos.
Mat. 19.2. Mar. 10.2
2 a Requieuit Deus die septima ab omni-
bus operibus suis Heb. 4. b
2 b Factus est primus homo Adam in ani-
mam viventem 1. Cor. 15. f
3 d Dimittet homo patrem & matrem, &
adherebit vxori Mat. 19.2. Mar. 10.2
Eph. 5. g. 1. Cor. 6. d
3 d Erunt duo in in carne vna Mat. 19.2
Mar. 10.2. 1. Cor. 6. d. Gal. 3. b